22 MAY 2015
INTERNATIONAL DAY
FOR BIOLOGICAL DIVERSITY
BIODIVERSITY FOR SUSTAINABLE
DEVELOPMENT

Convention on
Biological Diversity

जैव-विविधता दिवस समारोह
22 मई 2015
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

जैव-विविधता के संरक्षण हेतु लोगो में जागरूकता लाने के लिए हर स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है। मानव जीवन के अस्तित्व हेतु जैव-विविधता सबसे महत्वपूर्ण है, यह उद्धगार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) के निदेशक, श्री एन. के. वासु, भा.व.से. ने आफरी सभागार में अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस पर आयोजित समारोह में व्यक्त किए। इस समारोह में आफरी के साथ-साथ वन विभाग के अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर श्री वासु ने बताया कि , जैव-विविधता दिवस को एक उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए तथा देश के प्रत्येक नागरिक को अपने-अपने क्षैत्र में जैव-विविधता के संरक्षण एंव संवर्धन हेतु प्रयास करना चाहिए उन्होने बताया कि , प्रकृति में उपलब्ध हर वनस्पति को अपना महत्व है तथा कोई भी पादप या जन्तु बेकार नही होता है। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी का अपना महत्व है। श्री वासु ने कांजीरंगा में वन्य जीव संरक्षण हेतु अपने अनुभवों के बारे में विस्तृत व्याख्यान भी दिया।

कार्यक्रम में आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने जैव-विविधता पर अपने व्याख्यान में मरू क्षैत्र में पाये जाने वाले विभिन्न पादपो के बारे में व्याख्यान दिया। डॉ. सिंह ने विभिन्न पादपो के साथ अन्य पादपो के सम्बन्ध में जैव-विविधता द्वारा सतत् विकास पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए जैव-विविधता के बारे में आंकडे प्रस्तुत किए। आफरी की वैज्ञानिका डॉ. रंजना आर्य ने लवणीय भूमि में पौधरोपण एवं जैव-विविधता में परिवर्तन पर व्याख्यान दिया। उन्होने लवणीय क्षेत्रों में पाये जाने वाले विभिन्न पादपो के बारे में विस्तार से बताया ।

कार्यक्रम में वन विभाग के श्री प्रदीप शर्मा ने जल संरक्षण पर कविता पाठ किया और जबकि आफरी के समूह समन्वयक (शोध) श्री बी. आर. भादू तथा आफरी के कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष , श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने भी जैव-विविधता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वन विभाग के उप वन संरक्षक (वन्यजीव) , महेन्द्र सिंह राठौड ने माचिया पार्क, जोधपुर के विकास एवं जैव विविधता दिवस पर तथा उप वन संरक्षक श्री आर. के. सिंह ने मरू क्षैत्र की जैव-विविधता एवं भविष्य में उनके संरक्षण पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती भावना शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन आफरी के समूह समन्वयक (शोध) श्री बी. आर. भादू ने किया।

इस अवसर पर जैव-विविधता पर एक पैम्पलैट का विमोचन भी किया गया । इस कार्यक्रम में श्री रतनाराम लोहरा एवं श्री महिपाल विश्नोई ने सहयोग किया ।

जैव विविधता दिवस पर जारी पैम्फलेट

22 MAY 2015
INTERNATIONAL DAY FOR BIOLOGICAL DIVERSITY
BIODIVERSITY FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

Convention on Biological Diversity

INTERNATIONAL DAY FOR BIOLOGICAL DIVERSITY 22nd May 2015

The United Nations General Assembly adopted 22nd May 1992 as the International Day for Biological Diversity to commemorate the Adoption of the Agreed Text of the Convention on Biological Diversity at a conference in Nairobi, Kenya. Since 2001, the International Day for Biological Diversity is celebrated on 22nd May each year with a different theme to provide unique opportunity to raise public awareness on the importance of the biodiversity.

Theme for 2015: Biodiversity for Sustainable development

Development that meets the needs of the present without compromising the needs of future generations.

The logo employs the "handprint" concept, which has been increasingly used to express a positive vision of action in support of sustainable development. The hands are those of present and future generations, and they are also the hands that will bring positive change to our planet.

Biodiversity: Biodiversity is a term we use to describe the variety of life on earth. It refers to the wide variety of animals, plants, their habitats and their genes. Biodiversity is the foundation of life on earth. It is crucial for the functioning of our ecosystems.

Status of Biodiversity in India

India, a megadiverse country with only 2.4% of the world's land area, harbours 7-8% of all recorded species, including plants and animals. About 4045 species of flowering plant (angiosperms) endemic to India are distributed amongst 141 genera belonging to 47 families. In terms of endemism of vertebrate groups, India's global ranking is 10th in birds with 69 species, 5th in reptiles with 156 species and 7th in amphibians with 110 species. Out of the 34 global biodiversity hotspots, four are present in India, represented by the Himalaya, the Western Ghats, the North-east, and the Nicobar Islands. Marine biodiversity of India is also remarkable with over 200 diatom species, 90 dinoflagellates, 844 marine algae and 39 mangrove species. Endemism is significant across different plant groups in India. As a centre of origin of cultivated plants, India has 20 agro-ecological zones. A total number of 811 cultivated plants and 902 of their wild relatives have been documented so far. India also has a vast and rich repository of farm animals, represented by broad breeds of cattle (34), buffaloes (12), goat (21), sheep (39) and chicken (15). Zoological Survey of India (ZSI) has recorded 3022 fish species in India, constituting about 9.4% of the known fish species of the world.

Forests in India are spread over an area of 692,027 km² covering 21.05% of the geographical area of the country. The total tree cover in India is estimated to be 9.08 million hectares, accounting for about 3% of the total geographic area of the country. As on 2014 there are 690 Protected Areas (PAs;102 National Parks, 527 Wildlife Sanctuaries, 57 Conservation Reserves and 4 Community Reserves) covering 1, 66,851 km² or 5.07% of the country's geographical area. (MoEF Report on CBD, 2014)

United Nations Decade on Biodiversity

Initiatives in implementation of the Convention:

India has enacted the Biological Diversity Act 2002, which primarily aims at regulating access to biological resources and associated traditional knowledge so as to ensure equitable sharing of benefits arising out of their use, in accordance with the provision of Articles 15 of the CBD.

The Value of biodiversity:

- Most of the oxygen we breathe comes from plankton in the oceans of the world and lush forests around the globe.
- Biodiversity is a vital asset in global and local economies.
- Food production depends on biodiversity and the services provided by ecosystems.
- Clean and secure supplies of water also depend on biodiversity.
- Biodiversity provides regulating services, such as mitigating climate change and prevention of soil erosion.
- Biodiversity is the basis for sustainable livelihoods.
- Biodiversity plays a major role in mitigating climate change by contributing to long-term sequestration of carbon in a number of biomes.

Biological resources are the pillars upon which the civilization has developed. The loss of biodiversity threatens our food supplies, opportunities for recreation and tourism, and sources of wood, medicines and energy. Biodiversity is crucial to human wellbeing, sustainable development and poverty reduction. Let us maintain and conserve it for better future.

Protect life on Earth

Director
Arid Forest Research Institute,
New Pali Road, Jodhpur

Website: www.afri.res.in
Email: dir_afri@icfre.org
Tel: +91-0291-2722549
Fax: 91-0291-2722764

जैव-विविधता दिवस पर वन मण्डल, जोधपुर द्वारा आयोजित रैली का आफरी प्रायोगिक नर्सरी में कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस के प्रचार-प्रसार हेतु इस अवसर पर प्रात:काल वन मण्डल जोधपुर द्वारा रैली का आयोजन भी किया गया। रैली का आगाज़ टैगोर माध्यमिक विद्यालय से हुआ। इस रैली में टैगोर माध्यमिक विद्यालय , मधुबन हाउसिंग बोर्ड के विद्यार्थीगण एवं वन मण्डल , जोधपुर के स्टाफगण सम्मिलित थे। रैली का समापन आफरी की प्रायोगिक पौधशाला पर हुआ। यहाँ पहुँचने पर रैली के सदस्यों को उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण कराया गया एवं साथ ही कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग

के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने पौध तैयार करने के लिए उपयुक्त विधि की जानकारी दी। भ्रमण के दौरान नर्सरी प्रभारी श्री सादुलराम देवड़ा ने भी नर्सरी संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने में सहयोग किया। भ्रमण के पश्चात रैली के समापन कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस की महत्ता और जैव-विविधता संरक्षण पर विभिन्न वक्ताओं ने प्रकाश डाला। वन विभाग के श्री आर. के. सिंह , उप वन संरक्षक ने विद्यार्थीयों एवं उपस्थित लोगों को जैव विविधता संरक्षण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। वन संवर्धन प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री पी. चव्हाण ने पादप विविधता के बारें में बताया। वन विभाग के श्री वी. एस. दवे, सहायक वन संरक्षक, जोधपुर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

समाचार पत्रों की कतरनें

जैव विविधता का संरक्षण जरूरी

आफरी में जैवविधिवता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

23-5-2015

समाचारों का आईना दैनिक प्रातःकालीन

सम्भाग

जैव विविधता का संरक्षण जरूरी, तरीके बता

मरुधर ज्योति 23/5/15

आफरी में जैवविविधता दिवस पर कार्यक्रम

जोधपुर। जैवविविधता के संरक्षण हेतु लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर स्तर पर प्रयास करने की आव

श्यकता है। मानव जीवन के अस्तित्व हेतु जैव विविधता सबसे महत्वपूर्ण है यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) के निदेशक श्री एन. के. वासु, भावसे ने आफरी सभागार में जैव विविधता दिवस पर आयोजित समारोह में अपने उद्बोधन में व्यक्त किए। वासु ने बताया कि जैवविविधता दिवस को एक उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए तथा देश के प्रत्येक नागरिक को अपने-अपने क्षेत्र में जैवविविधता के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रयास करना चाहिए उन्होंने बताया कि प्रकृति में उपलब्ध हर वनस्पति को अपना महत्व है तथा कोई भी पादप या जन्तु बेकार नहीं होता है। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी का अपना महत्व है। वासु ने कार्बीरांगा में वन्य जीव संरक्षण हेतु अपने अनुभवों के बारे में विस्तृत व्याख्यान भी दिया।

कार्यक्रम में आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने जैव विविधता पर अपने व्याख्यान में मरु क्षेत्र में पाये जाने वाले विभिन्न पादपों के बारे में व्याख्यान दिया। डॉ. सिंह ने विभिन्न पादपों के साथ अन्य पादपों के सम्बन्ध में जैव विविधता द्वारा सतत् विकास पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए जैव विविधता के बारे में आंकड़े प्रस्तुत किए। आफरी की वैज्ञानिक डॉ. रंजना आर्य ने लवणीय भूमि में पौधारोपण एवं जैव विविधता में परिवर्तन व्याख्यान दिया। उन्होंने लवणीय क्षेत्रों में पाये जाने वाले विभिन्न पादपों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में प्रदीप शर्मा ने जल संरक्षण पर कविता पाठ किया जबकि आफरी के समूह समन्वयक (शोध) श्री बी. आर. भादू तथा आफरी के कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उत्तमराम चौधरी, भावसे ने भी जैव विविधता पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

मरु ज्योति 23/5/15

तीसरा प्रहर 23/5/15 3

आफरी में जैव विविधता दिवस पर कार्यक्रम

जोधपुर, 23 मई। जैवविविधता के संरक्षण हेतु लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है। मानव जीवन के अस्तित्व हेतु जैव विविधता सबसे महत्वपूर्ण है यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) के निदेशक एन. के. वासु, भावसे ने आफरी सभागार में जैव विविधता दिवस पर आयोजित समारोह में अपने उद्बोधन में व्यक्त किए।

वासु ने बताया कि जैवविविधता दिवस को एक उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए तथा देश के प्रत्येक नागरिक को अपने-अपने क्षेत्र में जैवविविधता के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रकृति में उपलब्ध हर वनस्पति को अपना महत्व है तथा कोई भी पादप या जन्तु बेकार नहीं होता है। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी का अपना महत्व है। वासु ने कार्बीरांगा में वन्य जीव संरक्षण हेतु अपने अनुभवों के बारे में विस्तृत व्याख्यान भी दिया।

कार्यक्रम में आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने जैव विविधता पर अपने व्याख्यान में मरु क्षेत्र में पाये जाने वाले विभिन्न पादपों के बारे में व्याख्यान दिया। डॉ. सिंह ने विभिन्न पादपों के साथ अन्य पादपों के सम्बन्ध में जैव विविधता द्वारा सतत् विकास पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए जैव विविधता के बारे में आंकड़े प्रस्तुत किए। आफरी की वैज्ञानिक डॉ. रंजना आर्य ने लवणीय भूमि में पौधारोपण एवं जैव विविधता में परिवर्तन व्याख्यान दिया। उन्होंने लवणीय क्षेत्रों में पाये जाने वाले विभिन्न पादपों के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में प्रदीप शर्मा ने जल संरक्षण पर कविता पाठ किया जबकि आफरी के समूह समन्वयक (शोध) बी.आर. भादू तथा आफरी के कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उत्तमराम चौधरी, भावसे ने भी जैव विविधता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वन विभाग के उपवनसंरक्षक (वन्यजीव) महेन्द्र सिंह राठौड़ ने माचिया पार्क के विकास एवं जैव विविधता दिवस पर तथा उप वन संरक्षक आर.के. सिंह ने मरु क्षेत्र की जैव विविधता एवं भविष्य में उनके संरक्षण पर अपना व्याख्यान दिया।

सांध्य दैनिक तीसरा प्रहर 23/5/15

डॉ. नवीन कुमार बोहरा
वन सम्पर्क अधिकारी (प्रचार एवं प्रसार)
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर (राज.)

सुरजन दर्पण 23/5/15

आफरी में जैव विविधता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

जोधपुर, 23 मई। जैव विविधता के संरक्षण हेतु लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है। मानव जीवन के अस्तित्व हेतु जैव विविधता सबसे महत्वपूर्ण है यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) के निदेशक एन. के. वासु, भावसे ने आफरी सभागार में जैव विविधता दिवस पर आयोजित समारोह में अपने उद्बोधन में व्यक्त किए।

वासु ने बताया कि जैवविविधता दिवस को एक उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए तथा देश के प्रत्येक नागरिक को अपने-अपने क्षेत्र में जैवविविधता के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रयास करना चाहिए उन्होंने बताया कि प्रकृति में उपलब्ध हर वनस्पति को अपना महत्व है तथा कोई भी पादप या जन्तु बेकार नहीं होता है। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी का अपना महत्व है। वासु ने कार्बीरांगा में वन्य जीव संरक्षण हेतु अपने अनुभवों के बारे में विस्तृत व्याख्यान भी दिया।

कार्यक्रम में आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने जैव विविधता पर अपने व्याख्यान में मरु क्षेत्र में पाये जाने वाले विभिन्न पादपों के बारे में व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम में प्रदीप शर्मा ने जल संरक्षण पर कविता पाठ किया जबकि आफरी के समूह समन्वयक (शोध) बी. आर. भादू तथा आफरी के कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उत्तमराम चौधरी, भावसे ने भी जैव विविधता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वन विभाग के उपवनसंरक्षक (वन्यजीव) महेन्द्र सिंह राठौड़ ने माचिया पार्क के विकास एवं जैव विविधता दिवस पर तथा उप वन संरक्षक आर. के. सिंह ने मरु क्षेत्र की जैव विविधता एवं भविष्य में उनके संरक्षण पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन भावना शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन आफरी के समूह समन्वयक (शोध) बी. आर. भादू ने किया।

सांध्य बॉर्डर टाइम्स 23/5/15

जैव विविधता दिवस मनाया, संरक्षण पर जोर

जोधपुर। जैव विविधता के संरक्षण हेतु लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है। मानव जीवन के अस्तित्व हेतु जैव विविधता सबसे महत्वपूर्ण है यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) के निदेशक एन.के. वासु ने आफरी सभागार में जैव विविधता दिवस पर आयोजित समारोह में अपने उद्बोधन में व्यक्त किए। वासु ने बताया कि जैव विविधता दिवस को एक उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए तथा देश के प्रत्येक नागरिक को अपने-अपने क्षेत्र में जैवविविधता के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रयास करना चाहिए उन्होंने बताया कि प्रकृति में उपलब्ध हर वनस्पति को अपना महत्व है तथा कोई भी पादप या जन्तु बेकार नहीं होता है। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी का अपना महत्व है। वासु ने कार्बीरांगा में वन्य जीव संरक्षण हेतु अपने अनुभवों के बारे में विस्तृत व्याख्यान भी दिया।

कार्यक्रम में आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने जैव विविधता पर अपने व्याख्यान में मरु क्षेत्र में पाये जाने वाले विभिन्न पादपों के बारे में व्याख्यान दिया। डॉ. सिंह ने विभिन्न पादपों के साथ अन्य पादपों के सम्बन्ध में जैव विविधता द्वारा सतत् विकास पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए जैव विविधता के बारे में आंकड़े प्रस्तुत किए। आफरी की वैज्ञानिक डॉ. रंजना आर्य ने लवणीय भूमि में पौधारोपण एवं जैव विविधता में परिवर्तन व्याख्यान दिया। उन्होंने लवणीय क्षेत्रों में पाये जाने वाले विभिन्न पादपों के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में प्रदीप शर्मा ने जल संरक्षण पर कविता पाठ किया जबकि आफरी के समूह समन्वयक (शोध) बी. आर. भादू तथा आफरी के कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उत्तमराम चौधरी ने भी जैव विविधता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वन विभाग के उपवनसंरक्षक (वन्यजीव) महेन्द्र सिंह राठौड़ ने माचिया पार्क के विकास एवं जैव विविधता दिवस पर तथा उप वन संरक्षक आर. के. सिंह ने मरु क्षेत्र की जैव विविधता एवं भविष्य में उनके संरक्षण पर अपना व्याख्यान दिया।

सांध्य बॉर्डर टाइम्स 23/5/2015

दैनिक अधिकार 23/5/15

जैवविविधता के संरक्षण के लिए जागरूकता लाने की जरूरत

जोधपुर। जैवविविधता के संरक्षण हेतु लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है। मानव जीवन के अस्तित्व हेतु जैव विविधता सबसे महत्वपूर्ण है। यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) के निदेशक एन के वासु ने आफरी सभागार में जैव विविधता दिवस पर आयोजित समारोह में अपने उद्बोधन में व्यक्त किए। वासु ने बताया कि जैवविविधता दिवस को एक उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए तथा देश के प्रत्येक नागरिक को अपने-अपने क्षेत्र में जैवविविधता के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि प्रकृति में उपलब्ध हर वनस्पति को अपना महत्व है तथा कोई भी पादप या जन्तु बेकार नहीं होता है। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी का अपना महत्व है। कार्यक्रम में आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ जी सिंह ने जैव विविधता पर अपने व्याख्यान में मरु क्षेत्र में पाये जाने वाले विभिन्न पादपों के साथ अन्य पादपों के सम्बन्ध में जैव विविधता द्वारा सतत विकास करने पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए जैव विविधता के बारे में आंकड़े प्रस्तुत किए।

दैनिक अधिकार 23/5/15

राजस्थान पत्रिका 09

जीवन के अस्तित्व के लिए जैव विविधता जरूरी

जोधपुर @ पत्रिका

patrika.com/city

जैव विविधता संरक्षण के लिए हर स्तर पर प्रयास की जरुरत है। मानव जीवन के अस्तित्व के लिए सभी लोगों को जैव विविधता बचाने के लिए आगे आना होगा।

यह कहना है शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) के निदेशक एनके वासु का। वे शुक्रवार को आफरी सभागार में जैव विविधता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वासु ने बताया कि जैवविविधता दिवस को एक उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए। प्रकृति में उपलब्ध हर वनस्पति का अपना महत्व है। कोई भी पादप या जन्तु बेकार नही होता। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी का अपना महत्व है। आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. गेंदा सिंह ने अपने व्याख्यान में मरू क्षेत्र में पाए जाने वाले विभिन्न पादपों के बारे में बताया। वैज्ञानिक डॉ. रंजना आर्य ने लवणीय भूमि में पौधरोपण एवं जैव विविधता में परिवर्तन पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम में प्रदीप शर्मा ने जल संरक्षण पर कविता पाठ किया। आफरी के समूह समन्वयक (शोध) बीआर भादू, कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उमाराम चौधरी, वन विभाग के उपवनसंरक्षक (वन्यजीव) महेन्द्र सिंह राठौड और उप वन संरक्षक आरके सिंह ने भी विचार रखे।